

reconciliation work be concentrated at Calcutta. I hope that my demand for centralisation of Rupee Travellers cheque and the reconciliation work at Calcutta would be heeded to. 1

(iii) MONETARY ASSISTANCE TO DROUGHT AFFECTED FARMERS FOR IRRIGATION PURPOSES.

SHRIMATI GEETA MUKHERJEE (Panskura): Sir, due to severe drought this year and the apprehension of insufficient rain next year, the question of irrigation has drawn the added attention of the country and has assumed tremendous national importance.

One of the important means of making water available for Agriculture to small and marginal farmers is to help them in installation of shallow tube-wells for utilising ground water.

Due to the poor economic condition of these groups of peasants, they have to depend heavily on institutional finance and government subsidy, because the cost of shallow tube-wells is substantial. For example, Rs. 8000/- to Rs. 10,000/- per tube well in West Bengal, which is quite beyond the private means of the small and marginal farmers.

In view of this situation in most parts of the country, it has become essential that the Government of India's present arrangement in this respect is altered.

In the Irrigation Ministers' Conference held at Madras, this point was raised.

The Minister for Minor Irrigation in West Bengal Government urged the Union Government to grant 25 per cent subsidy for medium farmers and 50 per cent subsidy for small and marginal farmers for installing shallow tube-wells.

I urge the Minister for Irrigation and the Minister for Agriculture to come to a positive decision in this

respect so that this subsidy is given to the farmers and instructions to that effect are sent to the State Government in this respect.

(iv) PAYMENT OF ARREARS OF WAGES TO WORKERS OF SHIVALEK CELLULOSE LIMITED, GUJRAOLA, MORADABAD (UP)

श्री चन्द्रपाल सिंह (अमरोहा) :
उपाध्यक्ष महोदय, शिवालिक सैल्यूलोज लिमिटेड गजरौला, जनपद मुरादाबाद, उत्तर प्रदेश, जिसकी कागज क्षमता उत्पादन क्षमता 30 टन प्रतिदिन है, का निर्माण कार्य 1975-76 ई० में बहुत ही उपजाऊ भूमि पर नाजायज कब्जों द्वारा किया गया है। इस मिल में कागज का उत्पादन सन् 1979 से शुरू हो गया था। मिल में लगभग 500 मजदूर कार्यरत हैं। श्रमिकों ने कड़ी मेहनत एवं ईमानदारी से मिल का निर्माण एवं उत्पादन किया। मशीनें पुरानी एवं कमजोर होने की वजह से कई श्रमिकों के शारीरिक अंगों को क्षति हो चुकी है। लेकिन अभी तक मिल मालिकों एवं प्रबन्धकों द्वारा इस श्रमिकों की कोई आर्थिक सहायता नहीं की गई है।

अफसोस एवं खेद का विषय है कि इस मिल में कागज का उत्पादन दिनांक 21 मार्च, 1982 से मिल मालिक एवं प्रबन्धकों द्वारा अचानक बन्द कर दिया गया, जिसके परिणामस्वरूप विगत सितम्बर महीने से कार्यरत करीब 400 श्रमिकों को वेतन भुगतान नहीं किया गया है और इनके परिवारों की स्थिति अत्यन्त सोचनीय एवं गम्भीर आर्थिक संकट में हैं। मजदूर विवश होकर 19 जनवरी 1983 से लगातार भूख हड़ताल पर बैठे हुए हैं।

अतः इस सदन के माध्यम से सरकार से साग्रह निवेदन है कि अविलम्ब

[श्री चन्द्रपाल सिंह]

इस मामले में हस्तक्षेप कर चार सौ कार्यरत श्रमिकों को बकाया वेतन लगभग पांच लाख रुपये अधिलम्ब भुगतान कराया जाए तथा देश में कागज की अनिवार्यता एवं मजबूरों की बेरोजगारी को देखते हुए कामज का उत्पादन शुरू किया जा सके, जिससे मिल को हो रही लगभग 20 लाख रुपये प्रति माह के नुकसान को रोका जाए ।

(v) ARRANGEMENTS FOR THE PURCHASE OF VIRGINIA TOBACCO IN BIJAPUR AREA, GUJARAT.

श्री मोती भाई आर० चौधरी :

(मेहसाना) : उपाध्यक्ष महोदय, गुजरात में मेहसाना जिले के बीजापुर क्षेत्र में पिछले तीस सालों से वर्जिनिया तम्बाकू पैदा की जाती है । पिछले इन सब सालों में आई०टी०सी० कम्पनी के द्वारा यह तम्बाकू का बीज उगाने के लिए दिया जाता था और इनमें से तैयार जो माल होता था, यह सब तम्बाकू यह कम्पनी खरीद लेती थी । इस साल भी इस कम्पनी ने ही किसानों को तम्बाकू पकाने के लिए इसके बीज दिए हैं और अब तम्बाकू तैयार हो गया है, लेकिन यह कम्पनी खरीदने को आगे नहीं आ रही है । इतना ही नहीं, लेकिन दूसरी कम्पनियां खरीदने को आती हैं तो उन्हें कारनर करके खरीदने नहीं देती हैं, जिससे वहां के किसान, जिन्होंने तम्बाकू पैदा की है, बहुत मुश्किल में आ पड़े हैं ।

बाजार पाने के लिए भी कोशिश करता है । इस तम्बाकू बोर्ड के जरिए इस क्षेत्र, के 86 किसानों ने अपना नाम तम्बाकू उगाने के लिए तम्बाकू बोर्ड में इस साल रजिस्टर्ड कराया है । करीबन 8 लाख किलो जितना माल तैयार पड़ा हुआ है । लेकिन, उसे खरीदा नहीं जा रहा है । इसलिए मैंने तम्बाकू बोर्ड में और वाणिज्य मंत्रालय के सचिव को दिनांक 7-2-83 को पत्र लिखा है, सारी परिस्थिति से अवगत कराते हुए और तार भी भेजे हैं । लेकिन अभी तक कुछ नहीं हुआ है । तम्बाकू बोर्ड का कार्यालय जहां है, वह गुंतूर शहर में कई कम्पनियां तम्बाकू खरीदने वाली और आफिस खोल कर प्लांट लगाकर बैठी हैं । जिनको यह तम्बाकू बाहर भेजने के लिए मन्वता भी तम्बाकू बोर्ड से दिया जाता है । इन कम्पनियों को इस क्षेत्र से तम्बाकू खरीदने के लिए शीघ्र ही भेजने की व्यवस्था तम्बाकू बोर्ड द्वारा की जाए । य. तो एस.टी० सी० या नाफेड द्वारा यह तम्बाकू खरीदा जाए ऐसा प्रबन्ध शीघ्र किया जाए । मैं वाणिज्य मंत्री जी से प्रार्थना करता हूं और जिस कम्पनी ने इतने सालों से इस क्षेत्र में वर्जिनिया तम्बाकू उगाने और खरीदने का काम किया है यह कम्पनी किसानों का इस साल का पकाया हुआ माल मुफ्त में खरीदने के लिए कोशिश कर रही है । इसके प्रति भी योग्य कदम तम्बाकू बोर्ड द्वारा उठाया जाए ।

(iv) MEASURES FOR PRESERVATION OF SEA TURTLES

SHRIMATI JAYANTI PATNAIK (Cuttack): Pacific ridley sea turtles available in the sea water of Orissa in large number are on the verge of extinction.

It reveals from a preliminary study that their mating usually takes place

देश में वर्जिनिया तम्बाकू को बढ़ावा देने के लिए केन्द्र सरकार ने तम्बाकू बोर्ड बनाया है, जो तम्बाकू उगाने पर नियंत्रण रखता है । इसकी बिक्री करने में मदद करता है और विदेशों में